अखिल भारतीय तेरापथ महिला मंडल

परिचय

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

पंजीकृत कार्यालय : रोहिणी जैन विश्व भारती, लाडनूं, जिला नागौर, राजस्थान

visit us at : www.abtmm.org I Download our mobile app : abtmm
Follow us on - https://www.facebook.com/abtmmjain/ instagram@abtmmterapanth

महिलाए अपने प्राकृतिक मौलिक गुणों को सुरक्षित रखते हुए युगीन संदर्भो को पहचाने और अच्छी महिला का आदर्श उपस्थित करें।

– गणाधिपति गुरूदेव तुलसी

अभातेममं एक जागरूक संस्था है, उसने अपने कर्त्तव्य से अपनी पहचान बनाई हैं, नारी उत्थान, संस्कार निर्माण, जैन जीवन शैली, समाज सेवा आदि अनेक क्षैत्रों में कार्य किया है और कर रही है।

– आचार्य महाप्रज्ञ

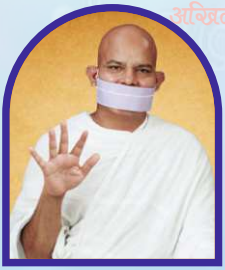

अभातेममं एक संगठित संस्था है। उसके द्वारा अनेक गतिविधियां संचालित होती है। समाज मे महिला शक्ति की भी अपनी उपयोगिता है। महिला मंडल अपनी शक्ति का उपयोग करता हुआ, समाज के लिए पूरा आलोक स्तम्भ बना रहे। मंगलकामना !

– आचार्य महाश्रमण

तेरापंथ – समाज की हर महिला ओजस्विनी बने, यह आज की महती अपेक्षा है। आचार्य श्री महाश्रमण के मंगल मार्ग दर्शन में महिला समाज अपनी शक्ति के जागरण, संवर्धन और सदुपयोग से प्रतिबद्ध रहकर अपने तेज और ओज के अंतः प्रवाही स्त्रोत से आप्लवित होता रहें यही मंगलकामना है।

– साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा।

परिचय

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की स्थापना 1966 में तेरापंथ के नवम् अधिशास्ता आचार्य श्री तुलसी के मार्गदर्शन में महिलाओं के समग्र विकास के लिए हुई थी। (16 जून 1982) को इस संगठन को एक गैर सरकारी संगठन के रूप में पंजीकृत किया गया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का पंजीकृत केंद्रीय कार्यालय जैन विश्व भारती, लाडनूं राजस्थान में है। आचार्य श्री तुलसी ने महिलाओं को निरंतर विकासशील रहने का आशीर्वाद देते हुए कार्यालय को रोहिणी नाम दिया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एक चैरिटेबल धार्मिक संगठन है जो आचार्य महाश्रमण और साध्वी प्रमुखा कनक प्रभाजी द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए आत्मकल्याण के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव हेतु प्रयासरत है। हमारी संस्था आध्यात्मिक कलेवर को सुरक्षित रखते हुए विभिन्न लोक कल्याण कार्यों में संलग्न है। आज अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की देशभर में (430 शाखाओं में लगभग 65000 सदस्यों ने) अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

-: संस्था के उद्देश्य :-

- अपनी संस्कृति, सभ्यता और विरासत की सुरक्षा।
- समाज के पिछड़े एवं उपेक्षित बन्धुओं का सहयोग।
- नारी जागरण के साथ-साथ समाज एवं राष्ट्र के निर्माण हेतुसक्रीय सहभागिता।
- महिलाओं मे सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं शारीरिक विकास की प्रवृतियो का संचालन करना।
- शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक विकास हेतु प्रयास।

संस्था की प्रमुख योजनाएं व कार्य

-: स्वस्थ परिवार - स्वस्थ समाज योजना :-

भारतीय परिवेश में संस्कारों की जो महक स्वाभाविक रूप से रची-बसी थी, वह पाश्चात्य सभ्यता की आंधी मे छितरा सी गई है। परिवारों मे आती टूटन और बिखराव को रोकने के लिए इस योजना के तहत संस्था द्वारा आयोजित मुख्य कार्य है –

- महिलाओं के सर्वांगीण विकास हेतु आंचलिक कार्यशालाओं का आयोजन।
- समय-समय पर विराट महिला सम्मेलनों का आयोजन।
- बुजुर्गो के लिए चित्त समाधि शिविरों का आयोजन।
- दम्पति शिवरों का आयोजन।
- वृहद स्तर पर प्रबुद्ध महिला सेमिनार।
- अच्छे अभिभावक बनने के मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण।
- प्रेक्षाध्यान, जीवन विज्ञान, व्यक्तित्व विकास व बाल संस्कार शिवरों का आयोजन।
- समस्या समाधान विभाग के अंतर्गत ऑनलाइन काउन्सलिंग।
- LCTC (Life Coach Training Course) के अंतर्गत तैयार करना।
- सोशल मीडिया डीएडीक्शन प्रोग्राम का संचालन।
- स्वस्थ परिवार एवं सामंजस्य कार्यशालाओं का आयोजन ताकि परिवार का वातावरण सौहार्दपूर्ण बन सकें।
- Talk Shows का आयोजन ताकि चिंतन को स्वस्थ बनाया जा सकें।
- नैतिकता के शक्तिपीठ, गंगाशहर में हुआ त्रिदिवसीय विराट युवती सम्मेलन का आयोजन।

-: कन्या सुरक्षा योजना :-

महिला और पुरूष समाज के वो दो पहिये है जिनमें संतुलन के बिना सृष्टि का अस्तित्व संभव नही है। बालिकाओं की निरंतर घटती संख्या, चिंता का विषय है। कन्या सुरक्षा – कन्या विकास योजना के तहत हमारी संस्था, देश मे वैचारिक क्रांती लाना चाहती है। ताकि बेटियां सम्मान के साथ जी सके और उनको समानता का अधिकार मिल सके।

इस उद्देश्य के साथ पिछले अनेक वर्षो से प्रयासरत है।

- तेजस्वी, वर्चस्वी व संस्कारी कन्याओं के जीवन निर्माण के लिए देशभर मे **आंचलिक कन्या कार्यशालाओं का आयोजन**
- कन्याओं के भीतर छिपी प्रतिभा को उजागर करने तथा उनकी सृजन क्षमता का विकास करने हेतु समय–समय पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यशालाओं एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन।
- कन्याओं के लिए केरियर गाइडेंस।
- Self-Defense Classes व Empowerment Workshop का समय–समय पर आयोजन।
- कन्याओं के आध्यात्मिक विकास हेतु समय–समय पर छोटे–छोटे व्रतों एवं संकल्पों के माध्यम से संयम की चेतना जागृत करने का प्रयास।
- कन्या भ्रूण हत्या के विरूद्ध जागरूकता लाने के लिए देशभर मे कन्या सुरक्षा रैलियों का आयोजन।
- कन्या सुरक्षा योजना के प्रचार–प्रसार हेतु देशभर में आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल (Traffic Island) का निर्माण।

-: आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना :-

- 21 वीं शताब्दी के प्रारम्भ के साथ ही श्रावक समाज की श्रद्धा की नींव को सुदृढ़ करने के लिए एवं तत्वज्ञान के प्रति रूचि जागृत करने के लिये तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन/पाठ्यक्रम का शुभारम्भ आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत किया गया।
- तत्वज्ञान एवं तेरापंथ देर्शन का ऑनलाईन प्रशिक्षण प्रारम्भ।
- जो भाई–बहन छ: वर्षीय पाठ्यक्रम संपन्न कर चुके हैं, उनके लिए त्रिवर्षीय विशेष पाठ्यक्रम प्रारंभ।
- ग्रामीण महिलाओं व कन्याओं को साक्षर बनाने के लिए प्रतिवर्ष सैकड़ो छात्रवृति एवं स्वावलंबन हेतु प्रशिक्षण केन्द्रों का संचालन।
- वर्ष 2011 में जैन स्कोलर योजना प्रारंभ हुई। इस योजना का लक्ष्य ऐसे जैन विद्धानों को तैयार करना जो जैन धर्म के सिद्धांतों को गहराई से समझ सकें व उसका प्रचार कर सकें।

अखिल भारतीय तेरापथ महिला मंडल

-: जैन स्कॉलर परियोजना :-

नारी उन्नायक परमपूज्य आचार्य श्री तुलसी एवं परमपूज्य आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के चिरपालित स्वप्न को साकार करने की दिशा में जैन दर्शन एवं जैन विद्या के व्यापक प्रचार–प्रसार की दृष्टि से आचार्य महाश्रमण अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 'जैन स्कॉलर परियोजना' दिनांक 22 जुलाई 2011 को केलवा में परमपूज्य आचार्यश्री महाश्रमण जी के पावन सान्निध्य एवं श्रद्धेया साध्वीप्रमुखा श्री कनकप्रभा जी के निर्देशन में प्रारंभ की गई। इस योजना का यह उद्देश्य है कि ऐसे प्रबुद्ध एवं मेधा सम्पन्न जैन तत्त्वप्रचेता तैयार हों जो तत्त्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन, जैन दर्शन व सिद्धान्त आदि के विशेषज्ञ बनकर दूसरों के समक्ष जैन दर्शन को व्याख्यायित कर सकें तथा इसकी महत्ता को उजागर कर सकें।

-: आओ चले गाँव की ओर :-

भारत के शहरों में प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है, जीवन स्तर उँचा उठा है, पर गांवो मे विकास की गति आज भी धीमी है, बुनियादी सुविधाओं का आज भी अभाव है। गाँव की कच्ची गलियों मे हर जगह सड़के व सरकारी सहायता तो नही पहुँच पाती पर मानव तो वहां भी बसते है। निश्चित कार्यप्रणाली, निश्चित उद्देश्यों और मानव सेवा की भावना को केन्द्र में रखकर आओं चलें गाँव की ओर योजना का प्रारंभ 2007 मे किया गया। मानवीय संवेदना से ओत प्रोत देशभर में फैली हमारी महिला शक्ति ने तहेदिल से इस योजना का स्वागत किया। संस्था गाँव में बुनियादी सेवाएं, स्वच्छता, स्वास्थ कल्याण और महिला स्वावलम्बन की ओर कार्यरत है।

शिक्षा :– शिक्षा के लिए प्रोत्साहन व प्रेरणा, प्रौढ़ शिक्षा, छात्रवृति, कम्प्यूटर आदि का प्रशिक्षण।

चिकित्सा :– नि:शुल्क स्वास्थ परीक्षण शिविर, दवाई वितरण आदि।

स्वावलम्बन :– रोजगार हेतु सिलाई आदि विविध प्रशिक्षण एवं रोजगार के साधनों का वितरण।
सिलाई केन्द्र का संचालन।

व्यसन मुक्ति :– शराब, तम्बाकू आदि व्यसनों से मुक्त रहने का प्रशिक्षण।

अखिल भारतीय तेरापथ महिला मंडल

- गोवा की राज्यपाल महामहिम डॉ मृदुला सिन्हा द्वारा संस्था को भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान का ब्रांड एम्बेसेडर नियुक्त किया गया व स्वच्छ भारत अभियान मे सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली संस्था के रूप मे सम्मानित किया गया।
- स्वच्छ भारत अभियान योजना के अंतर्गत, ग्रामीण क्षेत्रों में 300 से अधिक सुविधा गृहों का निर्माण करवाया गया।
- 3250 कचरा पात्रों का वितरण किया गया।
- प्रदुषण मुक्त दिवाली मनाने के लिए निश्चित कार्य प्रणाली द्वारा देशभर में सार्थक प्रयास किये गये।
- बाल दिवस पर बाल स्वच्छता अभियान **निर्माण योजना** को 300 से अधिक ग्रामीण स्कूलों मे लागू किया गया, जिसके अंतर्गत स्वच्छता–मन की, तन की, स्कूल की, घर की, गाँव की, रेलवे व सड़क की आदि विषयों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण दिये गये।
- World Cancer Day के उपलक्ष्य में प्लास्टिक के दुष्प्रभावों को जन–जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से Plastic Free Week (1 से 7 फरवरी) का आयोजन।

-: संगठन पक्ष :-

1. संगठन को मजबूत बनायें रखने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री एवं पदाधिकारीयों द्वारा देशभर में संगठन यात्राएं।
2. प्रतिवर्ष आचार्यश्री के सान्निध्य में त्रिदिवसीय राष्ट्रीय महिला एवं कन्या अधिवेशन का आयोजन।
3. शाखा मंडलों के कार्यो का मूल्यांकन एवं समीक्षा करते हुए उन्हें प्रोत्साहन व पुरस्कार।
4. केन्द्र का शाखा मंडलों से निरन्तर सम्पर्क बना रहे इसके लिए संस्था का अपना मासिक बुलेटिन है – नारीलोक। इसके माध्यम से शाखामंडलों को संस्था समाचार एवं योजनाओं की क्रियान्विति के लिए दिशानिर्देश दिए जाते हैं।

-: सेवा :-

मंडल द्वारा संचालित ष्भावनाष रास्ते की सेवा का उपक्रम निरंतर गतिमान है।

-: स्थायी प्रवृतियाँ :-

1. आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर
2. आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल

-: सप्त सामयिक प्रवृतियाँ :-

1. जैन जीवन शैली
2. विसर्जन योजना
3. विकलांग सेवा योजना
4. प्राकृतिक आपदाओं में सहयोग
5. आचार्य तुलसी रोजगार प्रशिक्षण केन्द्र
6. आचार्य महाश्रमण कम्प्यूटर सेन्टर
7. प्रेरणा डॉट कॉम

-: संस्था द्वारा प्रदान किये जाने वाले सम्मान पुरस्कार व अलंकरण :-

1. नारीरत्न अलंकरण
2. प्रतिभा पुरस्कार
3. श्राविका गौरव अलंकरण
4. आचार्य तुलसी कर्त्तव्य पुरस्कार

-: Acharya Tulsi Kartitva Puraskar :-

S.N.	Name	Post	Year
1	Smt. Purnima Advani	President, National Mahila Aayog (the-then)	2003
2	Dr. Kiran Bedi	Retired IPS Officer	2005
3	Smt. Savitri Jindal	Urban Development Minister, Haryana	2008
4	Smt. Neelima Khaitan	Director, Seva Sadan NGO, Udaipur	2011
5	Smt. Anuradha Koirala	Founder, Maiti Nepal Sansthan, Kathmandu	2014
6	Smt. Dr. Mridula Sinha	Governor, Goa	2017

AWARDS & HONOURS

1. गोवा की राज्यपाल महामहिम डॉ. मृदुला सिन्हा द्वारा स्वच्छ भारत अभियान में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली संस्था के रूप में सम्मानित किया।
2. वर्ष 2013 में राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आउटस्टेंडिंग एक्सीलेंस अवार्ड।
3. वर्ष 2013 में गवर्नर मार्गरिट अल्वा, राजस्थान द्वारा द बेस्ट एन.जी.ओ. अवार्ड।
4. वर्ष 2016 में तथास्तु भव द्वारा तथास्तु सम्मान।
5. वर्ष 2016 में मीडिया काउंसिल फॉर पीस एंड सॉलिडॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम नेशनल इंटिग्रेशन अवार्ड।
6. वर्ष 2016 में अल्मा फाउन्डेशन, इंदौर द्वारा नेशनल एक्सीलेंस अवार्ड।
7. वर्ष 2016 में स्पंदन, मुम्बई द्वारा नेशनल सोशियो अवार्ड।
8. वर्ष 2017 में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा उत्कृष्टता सम्मान।
9. नेशनल कमीशन फॉर वुमन द्वारा आउटस्टेंडिंग वुमेन अवार्ड।
10. इंदिरा गांधी मेमोरियल बी.एड. कॉलेज द्वारा जागृति सम्मान।
11. राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संस्था द्वारा सर्वोत्तम सम्मान।
12. वर्ष 2009 में अभातेममं ने लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में कन्या सुरक्षा योजना के तहत (Save Girl Child - 1st. Day Cover) अपना नाम दर्ज करवाया।
13. 8 मार्च 2018 को महिला सशक्तिकरण हेतु देशभर में रैलियों का वृहद आयोजन कर गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड मे अपना नाम दर्ज करवाया।
14. 24 अप्रैल 2018 को निर्जरा के विशेष उपक्रम आयंबिल व्रत का पूरे देशभर मे आयोजन कर अपना नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड मे दर्ज करवाया।
15. 3 जुलाई 2018 को इंदिरा गांधी बी.एड. कॉलेज द्वारा क्रांति सम्मान।
16. स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत नैतिकता के शक्तिपीठ गंगाशहर में आयोजित विराट युवती सम्मेलन के दौरान Largest Human Depiction of Cloud की तर्ज पर पुन: विश्व किर्तीमान स्थापित किया गया।

Awards & honours

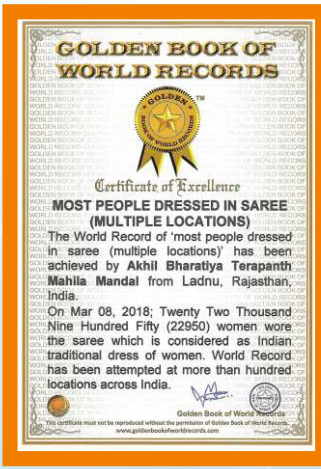

GOLDEN BOOK OF WORLD RECORDS

Certificate of Excellence

MOST PEOPLE DRESSED IN SAREE (MULTIPLE LOCATIONS)

The World Record of 'most people dressed in saree (multiple locations)' has been achieved by **Akhil Bharatiya Terapanth Mahila Mandal** from Ladnu, Rajasthan, India.

On Mar 08, 2018; Twenty Two Thousand Nine Hundred Fifty (22950) women wore the saree which is considered as Indian traditional dress of women. World Record has been attempted at more than hundred locations across India.

Golden Book of World Records

This certificate must not be reproduced without the permission of Golden Book of World Records
www.goldenbookofworldrecords.com

GOLDEN BOOK OF WORLD RECORDS

Certificate of Excellence

LARGEST MASS AYAMBIL (MULTIPLE LOCATIONS)

The World Record of 'largest mass ayambil' (multiple locations)' has been achieved by **Akhil Bharatiya Terapanth Mahila Mandal** from Ladnu, Rajasthan, India.

On Apr 24, 2018; Six Thousand Four Hundred Twenty One (6421) people participated in the mass ayambil. World Record has been attempted at more than hundred locations across India.

Golden Book of World Records

This certificate must not be reproduced without the permission of Golden Book of World Records
www.goldenbookofworldrecords.com

GOLDEN BOOK OF WORLD RECORDS

Certificate of Excellence

LARGEST HUMAN DEPICTION OF CLOUD

The World Record of 'largest human depiction of cloud' has been achieved by **Akhil Bharatiya Terapanth Mahila Mandal** from Ladnu, Rajasthan, India.

On Jul 01, 2018; record breaking numbers of people stood in the shape of cloud at Gangasahar to create awareness towards global warming.

*Provisional Certificate

Authorized Signatory
Golden Book of World Records

This certificate must not be reproduced without the permission of Golden Book of World Records
www.goldenbookofworldrecords.com

RAJ BHAVAN
GOA-403004

No.GS/SBA/1/2015/...-SI
29th January, 2018.

To,
Ms. Suman Nahata,
National Secretary,
Akhil Bharatiya Terapanth Mahila Mandal,
Rohini Jain Vishwa Bharati,
Ladanu, District – Nagaur,
Rajasthan – 341 306.

Dear Madam,

I am desired to inform you that Dr. (Smt.) Mridula Sinha, Hon'ble Governor of Goa, who is a nominee of the Hon'ble Prime Minister, for the Swachh Bharat Abhiyan, is pleased to nominate your Organisation i.e. Akhil Bharatiya Terapanth Mahila Mandal, Rajasthan, as her brand adbassador for this programme (Swachh Bharat Abhiyan).

The Hon'ble Governor will be happy to peruse monthly reports/ photographs about the activities that your Organisation will be undertaking in connection with this programme.

Yours faithfully,

कन्या भ्रूण हत्या के प्रति जागरूकता लाने के लिए तेरापंथ मंडल को मिला क्रांति सम्मान